शिक्षक - रवि शंकर राय विषय - अर्थशास्त्र

दिनांक - 21-07-2020 वर्ग - B.A - I

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

Objective

3. स्टॉल्पर सैमुअलसन प्रभाव → प्रशुल्कों का कारक कीमतों पर प्रभाव
4. इम्माइजराइजिंग ग्रोथ → संवृद्धि के व्यापार शर्तों पर प्रभाव।

27. विदेशी व्यापार गुणक को ज्ञात करने का सूत्र है →

$$K = \frac{dy}{ds + dm}$$

28. 1. विश्व व्यापार संगठन → बहुपक्षवाद
2. यूरोपीय साझा बाजार → सुरंग में सांप।

29. दो देशों को A और B से, पूंजी और श्रम को क्रमशः C तथा L से तथा कीमत को P से व्यक्त करते हैं। हैक्सर-ओलिन के अर्थ में देश A में पूंजी की अपेक्षाकृत अधिक प्रचुरता होगी यदि व्यापार आरंभ होने से पूर्व → $\left[\frac{P_C}{P_L}\right]_1 < \left[\frac{P_C}{P_L}\right]_2$

30. 1. निरपेक्ष लाभ का नियम → एडम स्मिथ।
2. कारक अनुपात व व्यापार → लियोन्टिफ
3. प्रस्ताव वक्र → मार्शल
4. विकल्प लागत → हैबरलर

31. इंग्लैण्ड और पुर्तगाल के बीच अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लागतों रिकार्डो के उदाहरण में कपड़ा और शराब का व्यापार चलता रहेगा तथा दोनो पक्षों को लाभकारी रहेगा क्योंकि → दोनो देशों के घरेलू विनिमय अनुपात अंतर्राष्ट्रीय विनिमय अनुपात से भिन्नतर हो।

32. व्यापार शर्तों में अनुकूल विकास तब होता है जब किसी देश को → संतुलित व्यापार के साथ निर्यात के उसी परिमाण के बदले आयातों का अपेक्षाकृत अधिक परिमाण प्राप्त होता है।

33. अवमूल्यन का प्रभाव यह होता है कि →
1. सापेक्ष कीमतों में परिवर्तन ला देता है।
2. विदेशी बजारों में घरेलू निर्यातों के प्रतियोगिता को सुधार देता है।

34. आयातों के आधिक्य के कारण उत्पन्न भुगतानशेष के असंतुलन को प्रभावहीन किया जा सकता है → ब्याज दर बढ़ाकर और उसके साथ ही अन्य अवस्फीतिकारी मौद्रिक तथा राजकोषीय कदम उठाकर।

35. जहाँ विदेशी प्रस्ताव वक्र की लोच एक बराबर हो वह इष्टतम टैरिफ होगा → अनंत।

तुलनात्मक लाभ के रिकार्डो के सिध्दान्त का ताल्लुक है →
→ 1. अल्पावधि परिमाण से। 2. दीर्घावधि परिमाण से
3. मध्यावधि परिमाण से।
37. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के हैक्शर-ओलिन प्रमेय की व्याख्याओं में कौन सी पूर्वधारणा सबसे महत्वपूर्ण है → द्विकारक मॉडल
38- 1. व्यापार की वस्तु विनिमय शर्तें → जे. एस. मिल
2. व्यापार की द्विकारक शर्तें → जेकब वाइनर
3. व्यापार का निवल वस्तु विनिमय शर्तें → एफ. डब्ल्यू टॉसिंग।
4. विकासशील देशों की व्यापार शर्तों का दीर्घकालीन निर्धारण।
39. निर्यात जनित संवृध्दि के पश्चात देश की आर्थिक स्थिति सुधर जायेगी बशर्ते कि → निर्यात जनित संवृध्दि से होने वाला लाभ बिगड़ती व्यापार शर्तों के कारण उत्पन्न हानियों से ज्यादा हो।
40. एक तीन देशीय दो वस्तु मॉडल में, जिसमें देशों का आकार असमान हो, घरेलू विनिमय अनुपात इस प्रकार है →

देश	घरेलू विनिमय अनुपात
A	2a:1b
B	1a:1b
C	1a:2b

इस मॉडल के अनुसार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की स्थिरता की सर्वाधिक संभावना निम्नलिखित व्यापार-(अन्तर्राष्ट्रीय) शर्तों पर होगी-
→ 1a:2b
41. मान लीजिए कि अंतिम वस्तु पर लगने वाली नामिक टैरिफ दर 30% है। आयातित निविष्टि पर लगने वाली नामिक टैरिफ दर 10% है और अंतिम वस्तु के मूल्य में आयातित निविष्टियों ~~का~~ अनुपात 50% है ऐसी स्थिति में प्रभावी टैरिफ दर है → 10%. (2 अर्थात)
42. देश की भुगतान शेष संतुलन की अवस्था में होता है जब →
→ घरेलू मुद्रा की मांग उसकी पूर्ति के बराबर होती है।
43. ड्यूजेनबरी का मत था कि कम विकसित देशों को निम्न कारण से अपने भुगतान शेष पर गंभीर एवं प्रतिकूल प्रभाव का सामना करना होगा → प्रदर्शन प्रभाव।
44. यदि घरेलू उपभोक्ताओं की मांग अनंत रूप से लोचदार है और ~~विदेशी उत्पादक की पूर्ति पूर्णतया बेलोचदार, तो उस प्रशुल्क देयता~~
→ विदेशी उत्पादक द्वारा अदा किया जायेगा।

- मुक्त व्यापार का एक लाभ है आय के वितरण में सुधार लाना। इस प्रकार मुक्त व्यापार के फलस्वरूप आय का कुछ पुनर्वितरण होता है → दुर्लभ साधन की कीमत में कमी और प्रचुर साधन के कीमत में वृद्धि होने से।

46. अन्य बातो के अलावा विश्व व्यापार संगठन का मुख्य उद्देश्य है → बातचीत द्वारा आयात कोटा में कमी करके और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सार्वभौमीकरण के माध्यम से प्रशुल्को में कमी लाना है।

47. 1. हैमिल्टन लिस्ट → शैशव अवस्था उद्योग तर्क।
2. मार्शल-लर्नर → लोच ~~दृष्टि~~ दृष्टिकोण
3. एजवर्थ → परीक्षणीतकारी संवृद्धि
4. जैकब वाइनर → व्यापार सृजन और व्यापार विचलन

48. "एक पूर्णतया नम्य विनिमय दर ~~पद्धति~~ पध्दति के अन्तर्गत प्रत्येक देश को तैयार रहना पड़ता है कि वह विदेशी मुद्रा बजार के समाशोधन के लिए जिस स्तर तक आवश्यक हो विनिमय दर को घटने या बढ़ने दे। सत्ता को बिल्कुल हस्तक्षेप नही करना चाहिए। इन शर्तो के पूरा होने पर ही विदेशी मुद्रा बजार में स्वतंत्र संतुलन तथा भुगतान शेष संतुलन को सुसंगत रूप से प्राप्त किया जा सकेगा"। इस परिच्छेद के अनुसार पूर्णतया नम्य विनिमय दर के अन्तर्गत → भुगतान शेष का संतुलन स्वतः ही हो जाता है।

49. GATT दौरों और उनसे संबंधित वर्षों में कौन सा ~~यु~~ युग्म सुमेलित है →
1. केनेडी दौर → 1964-67
2. टोकियो दौर → 1973-79

50. 1. मुक्त व्यापार क्षेत्र → व्यापार मुक्त है और सीमा शुल्क नहीं
2. सीमा शुल्क क्षेत्र → सीमा शुल्क नही, गैर सदस्यों पर शुल्क
3. साझा बजार → व्यापार और साधनो के आने-जाने पर कोई प्रतिबन्ध नही।
4. आर्थिक संघ → एकीकरण का उन्नत अवस्था।

51. ~~मान~~ मान लिजिए कि कपड़े धोने की मशीन उद्योग को संरक्षण देने के उद्देश्य से सरकार कपड़ा धोने की मशीन की कीमत पर 10% का नगद कर लगाती है। कपड़ा धोने की मशीन की कुल लागत 10000 रु है।